

## किम्बरली प्रोसेस (Kimberley Process) में सुधार के लिए भारत के पास एक अवसर

### UPSC प्रासंगिकता:

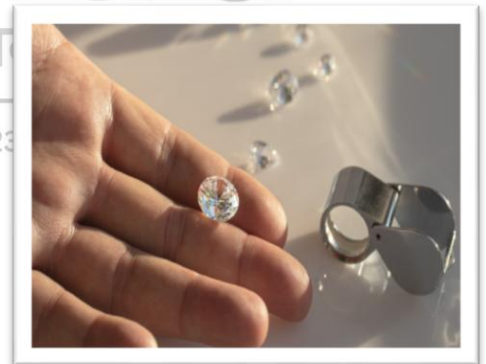
- **GS Paper II:** अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, वैश्विक शासन सुधार, भारत की बहुपक्षीय कूटनीति।
- **GS Paper III:** आपूर्ति श्रृंखलाओं (Supply Chains) में नैतिकता, संसाधन शासन, सतत विकास।
- **Prelims:** किम्बरली प्रोसेस, संघर्ष वाले हीरे (Conflict Diamonds), प्रमाणन तंत्र।

### चर्चा में क्यों?

- भारत ने 2026 के लिए किम्बरली प्रोसेस (KP) की अध्यक्षता संभाली है, जो संघर्ष वाले हीरों के व्यापार को विनियमित करने वाला एक वैश्विक बहुपक्षीय तंत्र है।
- वैश्विक हीरा मूल्य श्रृंखला (Diamond Value Chain) में भारत की केंद्रीय भूमिका को देखते हुए, इसकी अध्यक्षता एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर आई है जब KP की प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और वैधता पर सवाल उठ रहे हैं।

### पृष्ठभूमि: किम्बरली प्रोसेस क्या है?

- किम्बरली प्रोसेस (KP) एक बहुराष्ट्रीय प्रमाणन तंत्र (Certification Mechanism) है जिसका उद्देश्य 'संघर्ष वाले हीरों' (Conflict Diamonds) के व्यापार को रोकना है।
- 'संघर्ष वाले हीरे' उन कच्चे हीरों को कहा जाता है जिनका उपयोग विद्रोही समूहों द्वारा विद्रोह के वित्तपोषण और वैध सरकारों को अस्थिर करने के लिए किया जाता है।
- इसकी शुरुआत मई 2000 में दक्षिणी अफ्रीकी देशों द्वारा की गई थी और 2003 में किम्बरली प्रोसेस प्रमाणन योजना (KPCS) के माध्यम से इसे संस्थागत रूप दिया गया था।



### आज की स्थिति:

- इसमें 60 प्रतिभागी शामिल हैं जो 86 देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- यह वैश्विक कच्चे हीरे के उत्पादन का लगभग 99.8% हिस्सा कवर करता है।

## KPCS के तहत नियम:

- कच्चे हीरों का व्यापार केवल उन सदस्यों के बीच हो सकता है जो KP के नियमों का पालन करते हैं।
- प्रत्येक शिपमेंट के साथ एक 'KP प्रमाणपत्र' होना अनिवार्य है।
- सदस्यों को उत्पादन और व्यापार के सटीक आंकड़े साझा करने होते हैं।

## किम्बरली प्रोसेस में भारत का रणनीतिक महत्व

IAS-PCS Institute

यद्यपि भारत हीरों का उत्पादक नहीं है, फिर भी:

- यह कच्चे हीरों का सबसे बड़ा आयातक है (वैश्विक आयात का लगभग 40%)।
- यह दुनिया का प्रमुख कटिंग और पॉलिशिंग हब है, जिसका केंद्र सूरत और मुंबई में है।
- पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात अमेरिका, यूएई, चीन, हांगकांग और इजरायल को किया जाता है।
- यह स्थिति भारत को वैश्विक हीरा मूल्य श्रृंखला के केंद्र में रखती है, जिससे इसे नियम बनाने और एजेंडा तय करने की शक्ति मिलती है।



## KP के सामने मौजूद संरचनात्मक और मानक चुनौतियाँ

रिजल्ट का साथी

### 1. 'संघर्ष वाले हीरों' की संकीर्ण परिभाषा:

- KP की परिभाषा केवल विद्रोही समूहों बनाम सरकारों पर केंद्रित है।
- यह राज्य से जुड़ी हिंसा, मानवाधिकारों के उल्लंघन, पर्यावरणीय गिरावट, बाल श्रम और मानव तस्करी की अनदेखी करती है।

### 2. आम सहमति पर आधारित निर्णय प्रक्रिया:

- सभी निर्णयों के लिए सर्वसम्मति की आवश्यकता होती है, जिससे राजनीतिक 'वीटो' का रास्ता खुल जाता है।
- नागरिक समाज का तर्क है कि यदि कोई भी सदस्य कार्रवाई को रोक सकता है, तो संघर्ष वाले हीरों की पहचान और उन पर रोक लगाना कठिन हो जाता है।

### 3. अप्रभावी प्रतिबंध और निषेध:

- मध्य अफ्रीकी गणराज्य (CAR) का उदाहरण (2013 में प्रतिबंधित, 2024 में पुनः शामिल) दिखाता है कि बिना क्षमता निर्माण के लगाए गए प्रतिबंध अक्सर तस्करी और हिंसा को बढ़ाते हैं।

### KP अध्यक्ष के रूप में भारत के लिए सुधार के अवसर

#### 1. राजनीतिक गतिरोध के बिना एजेंडे का विस्तार:

- भारत हिंसा, मानवाधिकार जोखिमों और पर्यावरणीय नुकसान पर एक तकनीकी कार्य समूह शुरू कर सकता है।
- यह संघर्ष वाले हीरों की परिभाषा को तुरंत बदले बिना धीरे-धीरे आम सहमति बनाने में मदद करेगा।



#### 2. पारदर्शिता के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना:

- भारत डिजिटल, छेड़छाड़-मुक्त (Tamper-proof) KP प्रमाणपत्रों और हीरा शिपमेंट की 'ब्लॉकचेन' आधारित ट्रेकिंग पर जोर दे सकता है।
- इससे धोखाधड़ी कम होगी और सीमा शुल्क समन्वय में सुधार होगा।

#### 3. उत्पादक देशों में क्षमता निर्माण:

- मध्य और पूर्वी अफ्रीका में क्षेत्रीय तकनीकी केंद्र स्थापित करना जो प्रशिक्षण, आईटी सहायता और निगरानी क्षमता प्रदान कर सकें।
- यह KP को एक दंडात्मक ढांचे के बजाय एक सहयोगात्मक ढांचे में बदल देगा।

#### 4. संस्थागत सुधार और पारदर्शिता:

- स्वतंत्र/तृतीय-पक्ष ऑडिट और विस्तृत KP डेटा को सार्वजनिक करने को बढ़ावा देना।
- नागरिक समाज की सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करके लिपक्षीय संरचना (सरकार, उद्योग और नागरिक समाज) को मजबूत करना।

## अफ्रीका पर ध्यान: विकास-केंद्रित KP सुधार

- कई अफ्रीकी क्षेत्रों में हीरे आजीविका का मुख्य स्रोत हैं।
- भारत KP के उद्देश्यों को सतत विकास लक्ष्यों (SDG 1: गरीबी उन्मूलन, SDG 8: सम्मानजनक कार्य, SDG 12: जिम्मेदार उपभोग) के साथ जोड़ सकता है।
- यह सुनिश्चित करना कि हीरा राजस्व स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में जाए, ताकि खनन समुदाय पीड़ित होने के बजाय लाभार्थी बनें।

IAS-PCS Institute

## आगे की राह

भारत की अध्यक्षता वैश्विक हीरा शासन को आधुनिक बनाने और KP की नैतिक और संस्थागत विश्वसनीयता को बहाल करने का एक दुर्लभ अवसर है। तकनीकी नवाचार और विकासवात्मक कूटनीति के माध्यम से, भारत KP को एक प्रगतिशील और 'ग्लोबल साउथ' (Global South) के प्रति उत्तरदायी संस्थान बनाने में मदद कर सकता है।



## UPSC प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. किम्बरली प्रक्रिया (Kimberley Process–KP) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किम्बरली प्रक्रिया प्रमाणन योजना (KPCS) केवल तराशे गए (polished) हीरों के व्यापार को विनियमित करती है।
2. किम्बरली प्रक्रिया सरकारों, उद्योग और नागरिक समाज को शामिल करने वाली लिपक्षीय संरचना का अनुसरण करती है।
3. किम्बरली प्रक्रिया के अंतर्गत निर्णय बहुमत मतदान से लिए जाते हैं।

9235313184, 9235440806

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- A. केवल 2
- B. केवल 1 और 2
- C. केवल 2 और 3
- D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: A

प्रश्न 2. भारत और वैश्विक हीरा व्यापार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत वैश्विक स्तर पर कच्चे (rough) हीरों के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है।
2. भारत वैश्विक कच्चे हीरों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है तथा कटिंग और पॉलिशिंग का एक प्रमुख केंद्र है।
3. भारत तराशे गए हीरों का पुनः निर्यात मुख्यतः संयुक्त राज्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, चीन और इज़राइल को करता है।

IAS-PCS Institute

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- A. केवल 1 और 2
- B. केवल 2 और 3
- C. केवल 1 और 3
- D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: B

UPSC GS-II मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. किम्बरली प्रक्रिया की अध्यक्षता भारत को वैश्विक हीरा शासन में सुधार का अवसर प्रदान करती है।

किम्बरली प्रक्रिया के समक्ष विद्यमान चुनौतियों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए तथा बताइए कि भारत इसे अधिक समावेशी और प्रभावी बनाने हेतु क्या कदम उठा सकता है। (250 शब्द)



@resultmitra



www.resultmitra.com



9235313184, 9235440806

**OPTIONAL  
SUBJECT**  
**वैकल्पिक विषय**  
**PSIR**  
Fee - मात्र 6999 ₹  
केवल 01 से  
06 जुलाई  
Dr. Faiyaz Sir

**(वैकल्पिक विषय) Optional Subject**  
**GEOGRAPHY**  
**OPTIONAL**  
Fee - मात्र 6499 ₹  
केवल 21 से  
26 जुलाई